No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-6

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

08690

एम.एच.डी.-6 : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. अपभ्रंश का स्वरूप और विकास बताते हुए, अपभ्रंश और हिन्दी के बीच अंतर को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

आधुनिक काल के विविध कालखंडों के काल-विभाजन और नामकरण पर प्रकाश डालिए।

2. 'भक्ति द्राविड़ ऊपजी, लाये रामानंद' – इस जनोक्ति को दृष्टि में रखते हुए भक्ति-आंदोलन के अखिल भारतीय स्वरूप का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

कृष्ण काव्य-धारा के विकास की चर्चा कीजिए।

3. रीतिकाव्य के विकास के विविध आयामों का विश्लेषण कीजिए । *20*

अथवा

'छायावाद, स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है,' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

4. 'उत्तर-छायावादी कविता, छायावाद और नयी कविता के विकास-क्रम की अनिवार्य कड़ी है ।' कैसे ? स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

5. हिन्दी निबंध के विकास पर लेख लिखिए । *20*

अथवा

हिन्दी भाषा के विकास से आप क्या समझते हैं ? इसके विविध पहलुओं पर प्रकाश डालिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) नुक्कड़ नाटक

(ख) प्रगतिवाद

(ग) संदेश-रासक

(घ) नयी कविता